यू० पी० बैंक इम्प्लाईज यूनियन

पंजीकरण संख्या–538
ए.आई.बी.ई.ए. से संबद्ध
केन्द्रीय कार्यालय : 106/107 द्वितीय तल, ब्लाक संख्या 26/2/4, संजय प्लेस, आगरा–282002
पत्र व्यवहार: 3/17, विभव नगर, आगरा–282 001, मो0: 09837472750
फोन/फैक्सः (नि0) 0562–4044383, **E-mail: mmrai_2509@yahoo.co.in & mmrai2509@gmail.com**

परिपत्र संख्या : 2016–19/69/2017 **दिनांक :** 22.08.2017

सभी प्रान्तीय पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों
जिला इकाईओं के मंत्रियों/अध्यक्षों हेतु

प्रिय साथियों,

आज की हड़ताल की सफलता के लिए बधाईयाँ और लाल सलाम

आज पूरे देश में यूएफबीयू के आह्वान पर आयोजित की गई हड़ताल अपने आप में पूर्णतः सफल रही। उत्तर प्रदेश के कोने–कोने से हमें लगातार प्रदर्शनों, जुलूसों, सभाओं आदि के चित्र प्राप्त हो रहे हैं और जो सूचनायें मिल रहीं हैं वह हड़ताल के असाधारण रूप से सफल होने का संकेत कर रही हैं। इस अवसर पर हमारे महामंत्री साथी सी.एच. वेंकचटलम् ने एक प्रैस विज्ञप्ति जारी की है जिसका अनूदित सार हम सभी साथियों की जानकारी के लिए नीचे प्रस्तुत कर रहे हैं।

एक बार पुनः बधाईयों और लाल सलाम के साथ यह आशा करते हुए कि बिना विश्राम किए आप 15 सितम्बर, 2017 को संसद पर आयोजित मोर्चे को सफल बनाने में जुट जायेंगे।

अभिवादन सहित,
आपका साथी,

(मदन मोहन राय)
महामंत्री

15 सितम्बर 2017 के
संसद मोर्चे हेतु आगे बढ़ें
बैंकों को बचायें – अर्थव्यवस्था को बचायें
राष्ट्र को बचायें – जनसामान्य को बचायें

सी.एच. वेंकटचलम्, महामंत्री, एआईबीईए द्वारा जारी प्रैस विज्ञप्ति **22.08.2017**

आज की हड़ताल – एक सम्पूर्ण सफलता

यूनाईटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स द्वारा आज बुलाई गई अखिल भारतीय बैंक हड़ताल पूरे देश में सभी बैंकों में सम्पूर्ण सफलता रही। विभिन्न राज्यों से हमें प्राप्त हो रही रिपोर्टों के अनुसार, हड़ताल को कर्मचारियों और अधिकारियों द्वारा उत्साहपूर्वक किया गया।

हड़ताल ने सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, पुरानी पीढ़ी के निजी बैंकों और क्षेत्रीय बैंकों में सामान्य बैंकिंग सेवाओं को प्रभावित किया। ज्यादातर बैंक शाखाओं के शटर बन्द थे क्योंकि शाखा प्रबन्धकों ने भी विरोध हड़ताल में भाग लिया। लगभग 1 मिलियन/10 लाख कर्मचारियों और अधिकारियों ने हड़ताल में भाग लिया।

नकद लेनदेन सामान्य रूप से नहीं किया जा सका क्योंकि शाखायें बन्द थीं। सरकारी खजाने का व्यवसाय भी सफल नहीं हो पाया। विदेशी मुद्रा लेनदेन, आयात और निर्यात बिल लेनदेन, ऋणों की मंजूरी आदि भी प्रभावित थी।

जारी पृष्ठ 2

अधिकांश स्थानों पर, समाशोधन गतिविधियां, विशेष रूप से बाह्य समाशोधन गंभीर रूप से प्रभावित था। सामान्यतः दक्षिण, पश्चिम तथा उत्तर भारत से कार्य कर रही तीन समाशोधन ग्रिड में अर्थात चैन्नई, मुम्बई और दिल्ली से, लगभग रू0 20,000 करोड़ मूल्य के औसतन लगभग 40 लाख चैक और उपकरण प्रतिदिन सम्पादित होते हैं। यह बड़े पैमाने पर प्रभावित हुआ।

हड़ताली कर्मचारी और अधिकारी पूरे देश के सभी कस्बों और शहरों में सभाओं, प्रदर्शनों आदि का आयोजन कर रहे हैं। यह भागीदारी पिछली हड़ताली कार्यवाहियों की तुलना में एक रिकार्ड रही है जो निजीकरण और विलय की सरकार की बैंकिंग नीतियों के कारण कर्मचारियों के मन में बढ़ने वाली चिंताओं को दर्शाती है।

17 सूत्रीय माँगपत्र में, मुख्य माँग सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के लिए पर्याप्त पूंजी से सरकार के इंकार से सम्बन्धित है इस तरह निजीकरण की परिस्थितियां बन रही हैं। बैंकों के निजीकरण का अर्थ हमारे बैंकों में उपलब्ध आम लोगों के धन रू0 80 लाख करोड़ का निजीकरण होगा। यह देश और हमारे लोगों के लिए खतरनाक है। बैंकों के निजीकरण का परिणाम प्राथमिकता क्षेत्रों जैसे कृषि, ग्रामीण विकास, शिक्षा आदि को ऋण से इंकार होगा।

इसी प्रकार, जब भारत को अधिक बैंकिंग सेवाओं की आवश्यकता है, सरकार बैंकों के समेकन, एकीकरण और विलय की बात कर रही है। बैंकों के विलय का परिणाम बैंक शाखाओं की बन्दी होगा जैसा कि सहायक बैंकों के विलय के बाद अब एसबीआई में हो रहा है। बड़े बैंक बनाने के लिए विलय जोखिम भरा है क्योंकि बड़े बैंकों में बड़े ऋण होंगे और ये डूब सकते हैं।

आज बैंकों द्वारा सामना की जा रही मुख्य और वास्तविक समस्या खराब ऋणों में चिन्ताजनक वृद्धि है। यह अब रू0 15 लाख करोड़ है जो कुल ऋणों का लगभग 20% है। खराब ऋणों का बड़ा हिस्सा बड़े उद्योगपतियों और कॉर्पोरेट घरानों के कारण है। शीर्ष 12 चूककर्ता रू0 2,50,000 करोड़ के कर्जदार हैं।

1. भूषण स्टील	**44,478**
2. भूषण पावर एण्ड स्टील	**37,248**
3. लैंको इन्फ्रा	**44,364**
4. एस्सार स्टील	**37,284**
5. आलोक इण्डस्ट्रीज	**22,075**
6. एमटेक ऑटो	**14,074**
7. मॉनेट इस्पात	**12,115**
8. इलेक्ट्रोस्टील स्टील्स	**10,273**
9. एरा इन्फ्रा	**10,065**
10. जेपी इन्फ्राटेक	**9,635**
11. एबीजी शिपयार्ड	**6,953**
12. ज्योति स्ट्रक्चर्स	**5,165**
	2,53,729

यहाँ तक कि बड़ी कम्पनियां जैसे रिलाइंस कम्यूनिकेशन्स, रिलाइंस डिफेंस लि0, वीडियोकॉन इण्डस्ट्रीज आदि बड़ी चूककर्ता हैं। किंगफिशर विजय माल्या जैसे लोग जानबूझकर चूककर्ता हैं। लगभग 7000 जानबूझकर

जारी पृष्ठ 3

चूककर्ता हैं। उन्हें अपराधी घोषित किया जाना चाहिए और कठोर आपराधिक कार्यवाही की जानी चाहिए। लेकिन सरकार मुकदमेबाजी का रास्ता/दिवालियापन के मामलों का सुझाव दे रही है जिसके द्वारा, बैंकों को देय धन वसूल नहीं होगा, बल्कि बड़े बलिदान और बट्टे खाते होंगे। पिछले 5 वर्षों में, 2013 से 2017 तक, बैंकों ने इन चूककर्ताओं से देय ऋण का लगभग रू0 2,50,000 करोड़ (रू0 249,927 करोड़) बट्टे खाते डाला है। यह जनता के धन का प्रवाह अमीर लोगों की ओर मोड़ना है।

इसके अलावा, खराब ऋणों के कारण, बैंकों को प्रतिवर्ष लगभग रू0 1,50,000 करोड़ के ब्याज राजस्व की हानि हो रही है। इसलिए कुछ बैंक घाटा दिखा रहे हैं। लेकिन ब्याज और इन बड़े लोगों को दिये गये ऋणों को वसूल करने के बजाय, सरकार, आरबीआई और बैंक बचत जमाओं की ब्याज दर घटा रही हैं, भारी सेवा शुल्क, जुर्माना शुल्क आदि जमा कर रही हैं। यह कुछ और नहीं बल्कि एक को समृद्ध बनाने के लिए दूसरे की लूट है। ऋण चूककर्ताओं का भार सामान्य बैंकिंग ग्राहकों के कन्धों पर डाला जा रहा है।

इन जन–विरोधी बैंकिंग सुधारों का विरोध करने और इन नीतियों को उलटने की माँग करने के लिए, हमने हड़ताल को नोटिस दिया। हड़ताल के नोटिस की प्रतिक्रिया में, इण्डियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) ने यूएफबीयू यूनियनों को हड़ताल को टालने की सम्भावना तलाशने के लिए 16.8.2017 को चर्चा के लिए बुलाया। बैठक के दौरान आईबीए किसी भी माँग को हल करने के लिए प्रतिबद्ध नहीं हो सकी यह कहते हुए कि ये सभी सरकार के नीतिगत मामले हैं और केवल हड़ताल को वापस लेने के लिए यूनियनों से अपील की। इसलिए यूनियनें इस बात पर सहमत नहीं हो सकीं।

18.8.2017 को, श्रम मंत्रालय, भारत सरकार के मुख्य श्रम आयुक्त श्री ए के नायक, ने आईबीए तथा यूएफबीयू दोनों को समझौता बैठक के लिए बुलाया। बैठक के दौरान यूएफबीयू के प्रतिनिधियों ने माँगों को समझाया और आईबीए तथा सरकार से सुधार नीतियों को आगे न बढ़ाने और माँगों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने का आश्वासन देने का आग्रह किया। चूंकि वे ऐसा कोई आश्वासन करने के लिए आगे नहीं आ सके, यूएफबीयू ने हड़ताल के आह्वान के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया।

तद्नुसार, जैसी की घोषणा की गई, देशभर के विभिन्नि बैंकों के लगभग 10,00,000 कर्मचारी और अधिकारी आज हड़ताल पर हैं। हमें खेद है कि सरकार और आईबीए समस्या को टालने के लिए मुद्दों को हल करने के उत्सुक नहीं थे इस तरह यूनियनों को हड़ताल के साथ आगे बढ़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है। हमें बैंक ग्राहकों को हुई असुविधा के लिए खेद है किन्तु उन्हें समझना चाहिए कि हमारी हड़ताल उनके और आम लोगों के हितों की रक्षा के लिए है।

ह0...

सी.एच. वेंकटचलम्
महामंत्री
98 400 899 20

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा बट्टे खाते डाले गये खराब ऋण					
	2013	**2014**	**2015**	**2016**	**2017**
इलाहाबाद बैंक	1,352	782	2,109	2,126	2,442
आन्ध्रा बैंक	334	263	1,124	814	1,623
बैंक ऑफ बड़ौदा	2,356	964	1,563	1,554	4,348
बैंक ऑफ इण्डिया	2,415	1,767	866	2,374	7,346
बैंक ऑफ महाराष्ट्रा	663	401	264	903	1,374
केनरा बैंक	1,535	1,591	1,472	3,387	5,545
सेण्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया	1,061	1,995	1,386	1,334	2,396
कॉर्पोरेशन बैंक	709	463	779	2,495	3,574
देना बैंक	237	479	515	760	833
आईडीबीआई बैंक लिमिटेड	383	1,393	1,609	5,459	2,868
इण्डियन बैंक	520	628	550	926	437
इण्डियन ओवरसीज बैंक	1,642	1,474	2,087	2,067	3,066
ओरियण्टल बैंक ऑफ कॉमर्स	1,416	1,252	925	1,668	2,308
पंजाब एण्ड सिंध बैंक	50	204	263	335	491
पंजाब नैशनल बैंक	997	1,947	5,996	6,485	9,205
सिण्डिकेट बैंक	1,297	1,025	1,055	1,430	1,271
यूको बैंक	617	1,423	-	1,573	1,937
यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया	1,129	913	931	792	1,264
यूनाईटेड बैंक ऑफ इण्डिया	1,094	481	761	649	714
विजया बैंक	543	296	791	510	1,068
राष्ट्रीयकृत बैंक	20,351	19,739	25,046	37,642	54,110
स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर	463	399	363	643	1,560
स्टेट बैंक ऑफ हैदराबाद	343	31	355	1,204	1,430
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया	5,594	13,177	21,303	15,955	20,339
स्टेट बैंक ऑफ मैसूर	275	403	740	588	161
स्टेट बैंक ऑफ पटियाला	28	463	755	1,156	3,528
स्टेट बैंक ऑफ ट्रेवनकोर	176	196	456	398	556
एसबीआई समूह	6,880	14,670	23,973	19,944	27,574
सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक	**27,231**	**34,409**	**49,018**	**57,586**	**81,683**
सूत्र : संसद में हुआ प्रश्नोत्तर					
5 वर्षों में बट्टे खाते डाले गये कुल खराब ऋण : रू0 2,49,927 करोड़					